आईएएस को सौंपी सेवा संकल्प की जिम्मेदारी

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 10 सितंबर. प्रदेश में 17 सितंबर से 17अक्टूबर 2026 तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जायेगा.इस अभियान का राज्य सरकार के लिए कितना महत्व है, यह इस बात से ही समझा जा सकता है कि इस अभियान के लिए 55 सीनियर आईएएस अफसरों को जिम्मेदारी सौंपी गई है, ये जिले में नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी निभाएंगे, जिले में अभियान की निगरानी करने की जिम्मेदारी इन अफसरों के कंधे पर ही होगी. इस अभियान के लिए एक जिले की जिम्मेदारी एक आईएएस के पास होगी.

सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में सभी विभागाध्यक्ष को निर्देश दिये हैं. सेवा संकल्प अभियान 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में बीते 2 सितंबर को हुई बैठक में भी दिशा-निर्देश दिए गए थे.

सेवा संकल्प अभियान 2026 में अनेक गतिविधियां होंगी जिसमें आर्शीवाद का दीया जलाना, यानि हितग्राही परिवारों के घर पर दीप प्रज्ज्वलन, सेवा चित्र राष्ट्रव्यापी ड्राईंग और भाषण प्रतियोगिता, सेवा स्मरण संगीतमय नाट्य प्रस्तुतियां, आंगन का मिलन यानि आंगनबाडी कार्यकर्ताओं का सम्मान एवं बच्चों तथा माताओं की सक्रिय भागीदारी, कहानी बदलाव के तहत सरकार की योजनाओं से जीवन में आए सकारात्मक बदलाव की सक्सेस स्टोरी, सेवा ज्योति यात्रा में गांव , जिला स्तर की जनभागीदारी यात्रा, विकसित भारत के निर्माण के संकल्प के साथ, वड़नगर (गुजरात) से वाराणसी यात्रा जल, जन और सेवा संकल्प यात्रा, सेवा-मेरा योगदान के तहत 25 प्रमुख सेवा गतिविधियों में नागरिकों की भागीदारी होगी.

जिले में सेवा संकल्प अभियान के तहत अधिक से अधिक जन भागीदारी एवं जन सहयोग प्राप्त हो सके, इस दृष्टि से आयोजनों की विस्तृत रूपरेखा तैयार करने में जिला प्रशासन का सहयोग करना है.

संपूर्ण योजना आज ही तैयार करने के निर्देश

सामान्य प्रशासन विभाग ने निर्देश दिए है कि सेवा संकल्प अभियान 2026 के क्रियान्वयन की जिले की संपूर्ण एक माह की योजना आज-कल में अनिवार्य रूप से तैयार करवा ली जाए. समस्त नामांकित नोडल अधिकारीगण 17 सितंबर 2026 को संपूर्ण दिवस अपने प्रभार के जिले में रहेंगे और उस दिन आयोजित होने वाले समस्त कार्यक्रमों आर्शीवाद का दीया एवं अन्य कार्यक्रम में अनिवार्य रूप से भाग लेंगें.

सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत जिलों में अभियान के सफल क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक समन्वय एवं मॉनिटरिंग की दृष्टि से भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारियों को जिले के लिए नोडल अधिकारी के रूप में नामांकित किया गया है. नोडल अधिकारीगण अभियान की संपूर्ण अवधि के लिए प्रतिदिन आयोजित होने वाले कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की माईक्रो प्लानिंग में जिला कलेक्टर को सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान करेंगे, अभियान की नियमित मॉनिटरिंग के लिए एक सिस्टम तैयार किया जाना, ताकि सभी आयोजन शासन की अपेक्षा के अनुरूप प्रभावी रूप से संचालित हो सकें.

विभागीय जांच के मामले हुए ऑनलाइन

30 तक पोर्टल के दायरे में काम करने के दिए निर्देश

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 10 सितंबर. प्रदेश के शासकीय सेवकों के लिए मानव संसाधन प्रबंधन के लिए ई-एचआरएमएस एवं विभागीय जांच प्रकरणों के प्रबंधन के लिए डीई पोर्टल से संबंधित प्रकरणों के एंड-टू-एंड ऑनलाइन वर्कफ्लो की सुविधा प्रदान किए जाने का राज्य-शासन द्वारा निर्णय लिया गया है.

इसके तहत सभी विभाग इन पोर्टलों को अपनाएंगे जो आईएफएमआईएस स्पैरो एवं अन्य कर्मचारी-संबंधी पोर्टलों के साथ एकीकृत है. सामान्य प्रशासन विभाग ने प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विभागवार प्रशिक्षण कार्यक्रम निर्धारित किए जाने एवं इन पोर्टलों की प्रगति कह नियमित सुनवाई करने के निर्देश दिए हैं. 30 सितबर तक इन पोर्टलों के दायरे में काम करना होगा.

सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देश अनुसार इन पोर्टलों को समस्त विभागों एवं उनके अधीनस्थ क्षेत्रीय कार्यालयों में अपनाए जाने की सलाह दी गई है. नियुक्ति से सेवानिवृत्ति तक कर्मचारियों के संपूर्ण सेवा-जीवन चक्र का सुव्यवस्थित एवं एकीकृत प्रबंधन सुनिश्चित होगा. अवकाश, भ्रमण, सूचनाओं एवं अन्य सेवा-संबंधी अनुमतियों के निराकरण में समय एवं कार्यभार में कमीं आएगी तथा निर्णय प्रक्रिया अधिक त्वरित एवं पारदर्शी होगी.

पदोन्नति, परिवीक्षाधीन अधिकारियों/ कर्मचारियों की सेवाओं की पुष्टि एवं अन्य स्थापना-संबंधी प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण में सुविधा होगी. स्थानांतरण, पदस्थापना एवं अन्य कैडर प्रबंधन संबंधी कार्य अधिक प्रभावी एवं सुव्यवस्थित हो सकेंगे. प्रत्येक अधिकारी/ कर्मचारी को अपनी सेवा संबंधी समस्त जानकारी, जैसे सेवा-वृत्त, जीपीएफ. शेष राशि, वेतन पर्ची, अवकाश विवरण आदि का समेकित डिजिटल प्रोफाइल उपलब्ध होगा. वार्षिक गोपनीय प्रतिवेदन (एसीआर/एपीएआर) के प्रबंधन एवं सुनवाई की प्रक्रिया अधिक सुव्यवस्थित होगी.

एक नजर में

23 बसों पर लगा 51,500 का जुर्माना

रीवा. यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रीवा परिवहन सुरक्षा स्क्वॉड द्वारा यात्री बसों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया. अभियान के दौरान कुल 48 यात्री बसों की जांच की गई, जिसमें सुरक्षा मानकों में कमी पाए जाने पर 51,500 रुपये का समन शुल्क (जुर्माना) अधिरोपित किया गया. जांच के दौरान बसों में मुख्य रूप से अग्निशामक यंत्र फर्स्ट-एड बॉक्स एचएसआरपी एवं अन्य यात्री सुरक्षा मानकों की गहन जांच की गई. सूत्रों के अनुसार यह पूरी जांच रीवा आरटीओ के निर्देशन में की गई. परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि यात्रियों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा.

24 नशीले इंजेक्शन के साथ सौदागर गिरफ्तार

जबलपुर. गोरखपुर पुलिस ने नशीले इंजेक्शन के सौदागर को गिरफ्तार किया है जिसके कब्जे से 24 नशीले इंजेक्शन व इंजेक्शन बिक्री के 3950 रूपये जप्त किए गए. नगर पुलिस अधीक्षक गोरखपुर एम. डी. नागोतिया ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि बड़कू सोनकर निवासी सेठीनगर का अपने घर से नशीले इंजेक्शनों की बिक्री कर रहा है, सूचना पर दबिश दी गई बड़कू सोनकर अपने घर पर मिला जिसके घर की तलाशी लेने पर एक कमरे में रेत और कबाड़ जैसा सामान रखा था फ्रिज बंद था जिसके अंदर एक थैले में बुप्रेनोरफिन इंजेक्शन के 11 इंजेक्शन, फेनिरामाईन मैलेट के 13 इंजेक्शन रखे मिले.

22 जिलों में सामान्य से ज्यादा बारिश, 30 जिले अब भी पीछे

- पूर्वी मप्र में बारिश का आंकड़ा सामान्य के करीब
- गरज-चमक के साथ बारिश के आसार

नवभारत न्युज

भोपाल, 10 सितंबर. मध्यप्रदेश में मानसून की स्थिति अब भी असमान बनी हुई है. प्रदेश में कुल 795.3 मिमी बारिश दर्ज हुई है, जबकि सामान्य बारिश 862.5 मिमी होनी चाहिए थी. यानी प्रदेश में बारिश सामान्य से 8 फीसदी कम है. जिलावार आंकड़ों में 22 जिलों में बारिश सामान्य से अधिक हो चुकी है, जबकि 30 जिले सामान्य से नीचे हैं.

पूर्वी मध्यप्रदेश में स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है. यहां 929.3 मिमी बारिश के मुकाबले सामान्य 945.5 मिमी है, यानी कमी सिर्फ 2 फीसदी है. पश्चिमी मध्यप्रदेश में 692.3 मिमी बारिश हुई है, सामान्य 798.8 मिमी है. यहां बारिश 13 फीसदी कम है. सामान्य से अधिक बारिश वाले प्रमुख जिलों में निवाड़ी 60 फीसदी, मऊगंज 58, सतना 46, सिंगरौली 32, शिवपुरी 26, शहडोल 21, मैहर 18 और सीधी 16 फीसदी शामिल हैं. भोपाल में भी अब तक 974 मिमी बारिश हो चुकी है, जो सामान्य 873.4 मिमी से 12 फीसदी अधिक है. 24 घंटे में पूर्वी मध्यप्रदेश के कई इलाकों में अच्छी बारिश हुई. चित्रांगी में 42.3 मिमी और उदयनगर में 40 मिमी बारिश दर्ज की गई.

अगले 24 घंटे में बारिश का दौर जारी

आगामी 24 घंटे में प्रदेश में कई स्थानों पर गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है. सीधी, रीवा और सतना में भारी बारिश, वज्रपात और 30-40 किमी प्रति घंटे की तेज हवा की चेतावनी है. अनूपपुर, उमरिया, डिंडोरी, कटनी, जबलपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, दमोह, छतरपुर और पांढुर्णा में कुछ स्थानों पर बारिश के आसार हैं. सिंगरौली, सीधी, रीवा, मऊगंज, सतना, शहडोल, पन्ना और मैहर में अनेक स्थानों पर बारिश हो सकती है. प्रदेश के कई अन्य जिलों में भी गरज-चमक और तेज हवाओं की संभावना है.

उप सचिव की अध्यक्षता में समिति गठित

भोपाल. ई-एचआरएमएस एवं डीई पोर्टल के विभिन्न मॉडयूलों के परीक्षण, चरणबद्ध क्रियान्वयन के लिए अनुमोदन प्रदान करने तथा जरुरत के मुताबिक मानव संसाधन प्रबंधन, वार्षिक गोपनीय प्रतिवेदन एवं विभागीय जांच संबंधी विद्यमान नियमों/ प्रक्रियाओं में संशोधन के संबंध में अनुशंसाएं प्रस्तुत करने के लिए राज्य शासन ने उप सचिव, सामान्य प्रशासन अंकित अस्थाना की अध्यक्षता में समिति का गठन किया है. सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश अनुसार समिति में उप सचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय सुधीर कोचर, प्रमुख, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) एमपीएसईडीसी को सदस्य बनाया गया है.

खड़े हनुमान मंदिर का विवाद फिर गहराया

दक्षिणमुखी प्रतिमा को स्थानांतरित करने का पुजारी ने किया विरोध

10 दिन में पहुंचे 35 हजार श्रद्धालु

नवभारत न्यूज

उज्जैन, 10 सितंबर. छत्रीचौक के समीप सराफा स्थित खड़े हनुमान मंदिर को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है. मंदिर को अन्य स्थान पर स्थापित करने की चर्चा के बीच अब प्रतिमा की दिशा बदलने को लेकर भी आपत्ति सामने आई है.

वर्तमान में दक्षिणमुखी विराजित खड़े हनुमान जी की प्रतिमा को दूसरी जगह ले जाने पर दिशा परिवर्तन की आशंका जताते हुए पुजारी ने विरोध किया है.

पुजारी महेश बैरागी और उनके पुत्र पवन बैरागी का कहना है कि भगवान की वर्तमान स्थिति और दिशा में किसी भी तरह का बदलाव स्वीकार नहीं किया जाएगा. उन्होंने कहा कि यदि प्रतिमा का विस्थापन किया जाता है तो पहले उसकी सुरक्षा और धार्मिक मान्यताओं का पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए.

मंदिर स्थानांतरण की चर्चा के बीच साधु-संतों, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और अन्य सामाजिक संगठनों ने भी प्रतिमा की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है. संगठनों का कहना है कि प्रतिमा को हटाने की प्रक्रिया में किसी भी तरह का नुकसान नहीं होना चाहिए. इस मुद्दे को लेकर आंदोलन की तैयारी भी की जा रही है.

खड़े हनुमान मंदिर के प्रति लोगों की आस्था का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पिछले 10 दिनों में करीब 35 हजार श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच चुके हैं. मंगलवार को आरती के दौरान करीब 15 हजार श्रद्धालु पहुंचे, जबकि बुधवार और गुरुवार को भी लगभग 7-7 हजार श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर दर्शन किए.

जांच में खामियां, नहीं साबित हुए आरोप, 3 दोषमुक्त

नवभारत न्यूज

रतलाम, 10 सितंबर. पांच साल पुराने अवैध और जहरीली शराब के मामले में रतलाम न्यायालय ने तीन आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया. न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी रविना चौधरी की अदालत ने माणक चौक थाने के मामले में नवनीत चौहान, पवन उर्फ पप्पू राठौर और सोहनलाल उर्फ दादू को मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 49-क के आरोप से बरी किया.

न्यायालय ने पुलिस की कार्रवाई और विवेचना में कई खामियां मिलने पर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि अभियोजन आरोपों को संदेह से परे साबित करने में असफल रहा.

अभियोजन के अनुसार 9 सितंबर 2021 को पुलिस ने त्रिवेणी रोड श्मशान के पास नवनीत को पकड़ा था. उसके पास से पांच लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब मिलने का दावा किया गया. पूछताछ के आधार पर पवन और सोहनलाल को भी आरोपी बनाया गया था. सुनवाई के दौरान स्वतंत्र पंच गवाह पक्षद्रोही हो गए और उन्होंने पुलिस के सामने जप्ती से इनकार किया. सबसे अहम खामी यह सामने आई कि माल के आर्टिकल-3 की नमूना बोतल पर जप्ती की तारीख 2 अगस्त 2021 दर्ज थी, जबकि पुलिस ने घटना 9 सितंबर 2021 की बताई थी.

सुरक्षित, सुगम होगी यात्री परिवहन व्यवस्था

2 दिवसीय यात्री परिवहन विजन समिट-2026 का आयोजन आज से

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 10 सितंबर. प्रदेश में सार्वजनिक यात्री परिवहन व्यवस्था को आधुनिक, सुरक्षित, सुगम और पर्यावरण-अनुकूल बनाने की दिशा में राज्य सरकार एक महत्वपूर्ण पहल करने जा रही है.

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 11 सितंबर को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में दो दिवसीय यात्री परिवहन विजन समिट-2026 का शुभारंभ करेंगे. इस समिट में निजी बस ऑपरेटरों, नीति-निर्माताओं, परिवहन विशेषज्ञों, देशभर के राज्य परिवहन उपक्रमों, आईटी कंपनियों और उद्योग जगत के प्रतिनिधि एक मंच पर जुटेंगे और मप्र की यात्री परिवहन व्यवस्था को अधिक प्रभावी एवं भविष्य की जरूरतों के अनुरूप बनाने के लिए रणनीति और सुझाव साझा करेंगे. समिट का प्रमुख केंद्र मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा होगी. 'नई सोच, नई राह, नया मध्यप्रदेश' विजन के साथ आयोजित इस समिट का उद्देश्य मध्यप्रदेश यात्री परिवहन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के माध्यम से जन-निजी भागीदारी पीपीपी मॉडल, आधुनिक आईटी प्रणालियों और हरित ऊर्जा आधारित परिवहन पारिस्थितिकी तंत्र को गति देना है. परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह और मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल भी समिट में शामिल होंगे.

इंडस्ट्री एक्सपो का होगा उद्घाटन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव समिट के दौरान इंडस्ट्री एक्सपो का उद्घाटन करेंगे. एक्सपो में बस निर्माताओं, आईटी कंपनियों, वित्तीय संस्थानों और परिवहन क्षेत्र से जुड़े अन्य उद्योगों के साथ प्रदेश के विभिन्न शासकीय निगमों द्वारा अपनी गतिविधियों, तकनीकी समाधानों और नवाचारों का प्रदर्शन किया जाएगा. इससे परिवहन क्षेत्र में निवेश, तकनीक और नई साझेदारियों की संभावनाओं को भी बढ़ावा मिलेगा. समिट में ईलेट्स टेक्नोमीडिया द्वारा संकलित समिट की स्मारिका का विमोचन किया जाएगा. परिवहन समिट में 8 सत्र होंगे.

बच्चे की खुशी में पिस्तौल से फायरिंग, वीडियो वायरल

डबरा, 10 सितंबर. ग्वालियर के बिलौआ थाना क्षेत्र के टीसीपी इलाके से हर्ष फायरिंग का एक और वीडियो सामने आया है. वीडियो में एक युवक बच्चे के जन्म की खुशी में पिस्तौल से दो फायर करता दिखाई दे रहा है. वीडियो करीब चार दिन पुराना बताया जा रहा है.

पुलिस ने मामले का संज्ञान लेकर युवक की पहचान और उसके पास मौजूद पिस्तौल के लाइसेंसी अथवा अवैध होने की जांच शुरू कर दी है. डबरा क्षेत्र में पिछले आठ दिनों के दौरान हर्ष फायरिंग और हथियारों के प्रदर्शन से जुड़े करीब पांच वीडियो सामने आ चुके हैं. पुलिस इन वीडियो के आधार पर संबंधित लोगों की पहचान कर कार्रवाई की प्रक्रिया में जुटी है. सोशल मीडिया पर वायरल होने के साथ कुछ वीडियो पुलिस तक स्थानीय लोगों द्वारा भी पहुंचाए गए हैं.

ऑपरेशन ईगल के बीच हर्ष फायरिंग

ग्वालियर पुलिस द्वारा सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन करने वालों के खिलाफ ऑपरेशन ईगल चलाया जा रहा है. इसके बावजूद लगातार हर्ष फायरिंग के वीडियो सामने आने से पुलिस की निगरानी और कार्रवाई पर सवाल भी उठ रहे हैं.

आधुनिक मशीनों से चमकेंगे भोपाल के 7 स्टेशन

स्वच्छता व्यवस्था को मिली नई गति

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 10 सितंबर. रेल यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुविधाजनक स्टेशन परिसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भोपाल मंडल द्वारा नर्मदापुरम, गुना, हरदा, गंजबासौदा, विदिशा, अशोकनगर एवं संत हिरदाराम नगर सहित मंडल के प्रमुख 7 स्टेशनों पर स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है, जिसके लिए इन स्टेशनों पर आउटकम आधारित मेकेंनाईजड निविदा आवंटित किया गया है.

पूर्व में यह व्यवस्था मेनुअल थी. इन स्टेशनों पर नियमित सफाई के साथ-साथ आधुनिक मशीनों एवं उपकरणों का उपयोग कर स्टेशन परिसर को स्वच्छ एवं व्यवस्थित रखने पर विशेष जोर दिया जा रहा है.

स्टेशन परिसर के प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय, फुटओवर ब्रिज, कार्यालयों तथा स्टेशन परिसर की नियमित रूप से सफाई की जा रही है. सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए आधुनिक बैटरी चालित सफाई मशीनों, वैक्यूम क्लीनर, जेट प्रेशर मशीन एवं सिंगल डिस्क स्क्रबर-पॉलिशर जैसी मशीनों का उपयोग किया जा रहा है.

भोपाल होकर गुजरने वाली 20 ट्रेनें रहेगी निरस्त

भोपाल. पमरे के बीना स्टेशन एवं उमरे के आगासौद स्टेशन के मध्य तीसरी रेल लाइन को जोड़ने के लिए दोनों स्टेशनों पर यार्ड रीमॉडलिंग का कार्य किया जा रहा है. इस कार्य के लिए प्री-नानइंटरलाकिंग एवं नानइंटरलाकिंग 1 सितंबर से 15 अक्टूबर तक चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है. कार्य के दौरान ट्रेनों के सुरक्षित एवं सुचारु परिचालन को ध्यान में रखते हुए भोपाल मंडल होकर संचालित 20 ट्रेनों को निरस्त किया गया है. यार्ड रीमॉडलिंग का कार्य पूर्ण होने के पश्चात बीना एवं आगासौद स्टेशनों के यार्ड की परिचालन क्षमता में वृद्धि होगी. इससे ट्रेनों के संचालन में अधिक सुगमता आएगी, ट्रेनों के ठहराव एवं संचालन के बेहतर प्रबंधन में सहायता मिलेगी तथा भविष्य में बढ़ते यातायात को सुचारु रूप से संचालित करने की क्षमता में वृद्धि होगी. साथ ही, रेल परिचालन की दक्षता में वृद्धि होगी, विश्वसनीयता बढ़ेगी और समयपालन में सुधार होगा.

दो क्लीनिकों के शटर पर चस्पा हुआ नोटिस

नवभारत न्यूज

सीधी, 10 सितंबर. कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देश पर जिले में अवैध क्लीनिकों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है. गुरुवार को कुचवाही में गणेश मंदिर के सामने संचालित दो निजी क्लीनिकों की औचक जांच की गई.

दोनों क्लीनिक बिना वैध पंजीयन और अनुमति के संचालित पाए गए. टीम ने मौके पर ही दोनों का संचालन बंद करा दिया और शटर पर नोटिस चस्पा कर दिया. मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार खरे के मार्गदर्शन में नोडल अधिकारी डॉ. नागेंद्र बिहारी दुबे और लिपिक प्रकाश कुमार पांडेय ने जांच की. टीम ने गोल्डर क्लीनिक तथा दीपायन विश्वास पिता शैलेंद्र विश्वास द्वारा संचालित क्लीनिक के दस्तावेजों की जांच की.

जांच में सामने आया कि दोनों के पास मध्यप्रदेश उपचार्य गृह तथा रुजोपचार संस्थाएं (रजिस्ट्रीकरण तथा अनुज्ञापन) अधिनियम 1973, नियम 1997 और नवीन नियम 2023 के तहत वैध पंजीयन, ऑनलाइन आवेदन या अनुज्ञा प्रमाण पत्र नहीं था.

नीट यूजी

हर एक सीट पर 13 उम्मीदवार, पहले चरण में 91 प्रतिशत सीटें भरी

219 सीटों पर 16 हजार से अधिक दावेदार

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 10 सितंबर. मप्र के सरकारी कॉलेजों में एमबीबीएस और बीडीएस की सीटों पर दाखिला लेने का कटऑफ काफी अधिक हो सकता है. एक तरफ जहां सरकारी और निजी कालेजों में दूसरे राउण्ड की काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू हो चुकी है.

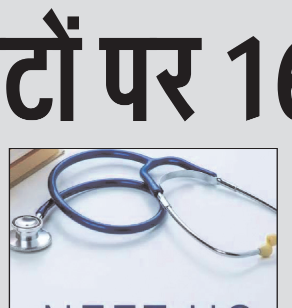

वहीं पहले राउण्ड में ही सरकारी कॉलेजों की एमबीबीएस की करीब 91 प्रतिशत सीटें भर चुकी हैं. जिससे दूसरे चरण में प्रवेश के लिए कुल 219 सीटें ही शेष बची हैं. चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार दूसरे चरण में पात्र अभ्यर्थियों की संख्या प्रदेश में करीब 16 हजार 923 हैं. जिनके लिए सरकारी और निजी कॉलेजों की एमबीबीएस और बीडीएस की कुल 1 हजार 326 खाली सीटें ही उपलब्ध हैं. जिसका सीधा मतलब यह है कि इस राउंड में औसतन हर एक खाली सीट पर लगभग 13 छात्र दावेदार हैं. प्रदेश भर के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में कुल 2 हजार 523 सीट हैं. जिसमें से 2 हजार 304 सीटें पहले चरण में ही भर चुकी हैं. जिसके बाद दूसरे चरण में करीब 8.6% (219) सीटें ही शेष बची हैं. वहीं दूसरी ओर इंदौर स्थित प्रदेश के एकमात्र शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय की 50 सीटों में से 11 सीटें खाली बची हैं, जबकि 39 सीटें पहले राउंड में भर गई हैं.

प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में कुल 3 हजार 40 सीटें उपलब्ध हैं. जिसमें पहले राउंड के बाद इनमें से 847 सीटें खाली हैं. हालांकि, इन 847 खाली सीटों में आरकेडीएफ मेडिकल कॉलेज भोपाल और सुख सागर मेडिकल कॉलेज जबलपुर की 50-50 नई सीटें भी शामिल की गई हैं. वहीं, प्राइवेट डेंटल कॉलेजों की कुल 1,100 सीटों में से 249 सीटें खाली हैं, जबकि 851 सीटों पर छात्र पहले चरण में प्रवेश ले चुके हैं.

एक नजर में समझे- कहां कितनी सीटें भरी और खाली

सरकारी कॉलेज	एमबीबीएस	बीडीएस
कुल सीटें	2523	50
प्रथम चरण में भरी सीटें	2304	39
दूसरे चरण के लिए खाली सीटें	219	11
प्राइवेट कॉलेज	**एमबीबीएस**	**बीडीएस**
कुल सीटें	3040	1100
प्रथम चरण में भरी सीटें	2193	851
दूसरे चरण के लिए खाली सीटें	847	249

छात्रों की गूंज आंदोलन की बनी रणनीति

सागर शराब कांड को लेकर भी आंदोलन की तैयारी

नवभारत न्यूज

भोपाल, 10 सितंबर. प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय, शिवाजी नगर में गुरुवार को जिला युवा कांग्रेस भोपाल शहर के पदाधिकारियों की संगठनात्मक बैठक हुई.

अध्यक्षता भोपाल शहर युवा कांग्रेस अध्यक्ष अंकित दुबे ने की. बैठक में प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष यश लखन घनघोरिया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए. आगामी आंदोलनों की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई. प्रदेश अध्यक्ष घनघोरिया ने 19 सितंबर को इंदौर में होने वाले 'छात्रों की गूंज' महा-आयोजन की तैयारियों को लेकर पदाधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए.

कार्यकर्ताओं से जुटने की अपील

प्रदेश अध्यक्ष घनघोरिया ने कहा कि छात्रों और युवाओं के अधिकारों की लड़ाई में यह आंदोलन महत्वपूर्ण साबित होगा. भोपाल से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं को इसमें शामिल कराने की तैयारी की जा रही है. भोपाल शहर अध्यक्ष अंकित दुबे ने पदाधिकारियों से पूरी ऊर्जा के साथ मैदान में उतरने का आह्वान किया. उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत करने और युवाओं की आवाज को प्रभावी ढंग से उठाने पर प्राथमिकता से काम किया जाएगा. उन्होंने 19 सितंबर के कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिए कार्यकर्ताओं से जुटने की अपील की. बैठक में भोपाल ग्रामीण युवा कांग्रेस अध्यक्ष राहुल मंडलोई ने भी संगठन को सक्रिय करने पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि अब घर बैठने का समय नहीं है. सभी पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में संगठन को मजबूत और सक्रिय करें.